This question paper contains 8+3 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

8733

B.A. (Programme)/II/III AS

HINDI LANGUAGE—Paper II (A)

हिंदी भाषा—प्रश्न-पत्र II (क)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक SOL/NCWEB/Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में कम होंगे ।

I. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं । किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10,10

(क) अरी वरुणा की शांत कछार—

तपस्वी के विराग की प्यार !

छोड़कर पार्थिव भोग विभूति, प्रेयसी का दुर्लभ वह प्यार,
पिता का वक्ष भरा वात्सल्य, पुत्र का शैशव सुलभ दुलार,
दुःख का करके सत्य-निदान, प्राणियों का करने उद्धार,
सुनाने आरण्यक संवाद, तथागत आया तेरे द्वार ।

(*i*) उपर्युक्त पद्यांश किस कविता से लिया गया है ? इसके कवि का नाम लिखिए ।

(*ii*) 'प्रेयसी' एवं 'तथागत' शब्द किसके लिए प्रयुक्त किए गए हैं ?

(*iii*) कछार, विभूति, पार्थिव, आरण्यक तथा निदान शब्दों के अर्थ लिखिए ।

(*iv*) 'दुःख का करके ..... तेरे द्वार' – पंक्ति का अर्थ लिखिए ।

(ख) पारिभाषिक शब्दावली तो कभी सरल हो ही नहीं सकती । यह हो सकता है कि बच्चों को सिखाने के लिए आप भाषा सरल कर दें, किन्तु पारिभाषिक शब्द सरल नहीं हो सकते । ऐसा किसी भी भाषा में नहीं होता, न अंग्रेज़ी में, न हिंदी में और न संसार की किसी अन्य

भाषा में । उदाहरण के लिए अंग्रेज़ी के तीन शब्द 'क्लाज़', 'सेन्टेन्स' और 'एक्सप्रेशन' लीजिए । सामान्य अंग्रेज़ी जाननेवाले की दृष्टि में इनमें कोई भेद न हो, लेकिन वास्तव में इनमें अन्तर है । कोई यह चाहे कि हम इनके जो अलग-अलग भाव हैं वह बता दें और तीन शब्दों का प्रयोग भी न हो तो यह काम कैसे हो सकता है । तीनों शब्दों के लिए अलग-अलग पारिभाषिक शब्द होने चाहिए । यही सिद्धान्त है ।

(*i*) प्रस्तुत उद्धरण किस पाठ से लिया गया है और इसके लेखक कौन हैं ?

(*ii*) पारिभाषिक शब्दावली सरल शब्दों से किस प्रकार अलग है ?

(*iii*) पारिभाषिक शब्दावली का लेखक के अनुसार क्या सिद्धान्त है ?

(*iv*) लेखक पारिभाषिक शब्दावली की सरलता का विरोध क्यों करता है ?

(ग) ऐसे बाज़ार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता; बल्कि शोषण होने लगता है । तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है । ऐसे बाज़ार मानवता के लिए विडम्बना हैं । और जो ऐसे बाज़ार का पोषण करता है, जो उसका शास्त्र बना हुआ है, वह अर्थ-शास्त्र सरासर औंधा है । वह मायावी (Capitalistic) शास्त्र है । वह अर्थ-शास्त्र अनीति शास्त्र है ।

(*i*) प्रस्तुत उद्धरण के लेखक एवं पाठ का नाम लिखिए ।

(*ii*) लेखक ने कैसे बाज़ार की आलोचना की है ?

(*iii*) ऐसे बाज़ार को लेखक ने मानवता के लिए विडम्बना क्यों माना है ?

(*iv*) Capitalistic शास्त्र को लेखक मायावी और अनीति-शास्त्र क्यों कहता है ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

(*i*) 'जब तक पूँजी पर पुत्राधिकार बना रहेगा, तब तक नारी मुक्ति, समानाधिकार, न्याय, स्वतन्त्रता, सम्मान, पहचान या गरिमा का सपना साकार होना असम्भव है' — इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(उत्तराधिकार या पुत्राधिकार)

(*ii*) 'मुझे कदम-कदम पर' कविता का भावार्थ संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

(*iii*) महात्मा गाँधी ने 'चरखे' को स्वराज का प्रतीक क्यों बनाया ? (चरखवा चालू रहे)

(*iv*) 'अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा' शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।

(*v*) 'पर्दा उठाओ : पर्दा गिराओ' एकांकी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) हिंदी का क्षेत्र 5

(*ii*) राजभाषा के रूप में हिंदी 5

(*iii*) देवनागरी लिपि का मानकीकरण । 5

4. निम्नलिखित अपठित अंश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भारतीय संस्कृति के आधार बिन्दुओं का चयन करने के लिए भारत के विभिन्न धर्मों, दार्शनिक एवं साहित्यिक ग्रंथों, स्थापत्य कला के श्रेष्ठ निदर्शनों और लोक में प्रचलित विश्वासों का अध्ययन अपेक्षित है । कुछ ऐसे मौलिक सिद्धान्त और शाश्वत सत्य हैं जो भारतीय संस्कृति में कहे जा सकते हैं । भारतीय दर्शन आस्तिकवादी है । ईश्वर-विश्वास के साथ इस संसार में कर्त्तव्य कर्म करते हुए भी अनासक्ति का उपदेश देते हैं । बौद्ध और जैन दर्शन अनीश्वरवादी होने पर भी संसार के प्रति आसक्ति और भोग-विलास के प्रति राग का उपदेश नहीं देते । फलतः भारत के सभी दर्शन अपनी अन्तिम सिद्धि में सात्त्विक वृत्ति से

जीव, दया, अपरिग्रह और संसार की क्षणभंगुरता की चर्चा करते हैं । गीता में इस दर्शन को एक नया मोड़ दिया गया है । गीता का तत्त्व दर्शन ज्ञान और कर्म का दर्शन है अर्थात् इस संसार में रहते हुए पूर्ण निष्ठा के साथ कर्म करना मानव का धर्म है ।

(*i*) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 2

(*ii*) भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 3

(*iii*) भारतीय संस्कृति के आधार बिन्दुओं का निर्धारण किस प्रकार किया जा सकता है ? 3

(*iv*) गीता के अनुसार मानव धर्म क्या है ? 2

5. कथांश का नाट्य-रूपांतरण कीजिए : 10

मिनी को अपने पंचवर्षीय जीवन की अभिज्ञता में पिता के अतिरिक्त ऐसा धैर्यवान श्रोता कभी नहीं मिला था । मैंने यह भी देखा कि उसका छोटा आंचल बादाम, किशमिश से भरा

था । मैंने काबुलीवाले से कहा, 'उसे यह सब क्यों दिया ? अब फिर मत देना !' और मैंने जेब से एक अठन्नी निकालकर उसको दे दी । बिना संकोच के अठन्नी लेकर उसने झोली में रख ली ।

घर लौटकर देखा, उस अठन्नी को लेकर पूरा झगड़ा मचा हुआ है ।

मिनी की माँ सफ़ेद चमचमाते हुए गोलाकार पदार्थ को लेकर कड़े स्वर में मिनी से पूछ रही थी, 'तुझे यह अठन्नी कहाँ से मिली ?'

मिनी कह रही थी, 'काबुलीवाले ने दी है ।'

उसकी माँ कह रही थी, 'काबुलीवाले से अठन्नी लेने तू क्यों गयी ?'

मिनी ने रोने की तैयारी करते हुए कहा, 'मैंने माँगी थोड़ी ही थी, उसने स्वयं दी ।'

मैंने आकर आसन्न विपद् से मिनी का उद्धार किया और उसे बाहर ले गया ।

पता चला, काबुलीवाले से मिनी की यह दूसरी मुलाकात हो, ऐसा नहीं था । इस बीच में उसने प्राय: प्रतिदिन आकर पिस्ता, बादाम, घूस में देकर मिनी के नन्हें लुब्ध हृदय पर बहुत-कुछ अधिकार कर लिया है ।

मालूम हुआ, उन दो मित्रों में कुछ बंधी हुई बातें और परिहास प्रचलित हैं — जैसे रहमत को देखते ही मेरी कन्या हँसते-हँसते पूछती, 'काबुलीवाले ! ओ काबुलीवाले ! तुम्हारी झोली में क्या है ? रहमत अनावश्यक चन्द्रबिन्दु जोड़कर हँसते हुए उत्तर देता है, हांति ।'

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10

Our circumstances and conditions are not dictated by the world outside, it is the world inside us that creates the outside. Self-awareness comes from the mind, which means soul. Mind is the sum total of the states of consciousness grouped under thoughts, will and feeling. Besides self-consciousness we have

the power to choose and think. Krishna says, 'no man resteth a moment inactive.' Even when inactive on the bodily plane, we are all the time acting on the thought plane. Therefore if we observe ourselves, we can easily mould our thoughts. If our thoughts are pure and noble, naturally action follow the same. If our thoughts are filled with jealously, hatred and greed, our action will be the same.

7. (क) शब्द-शक्ति की परिभाषा देकर उसके भेदों का उल्लेख कीजिए । 4

(ख) निम्नलिखित लाक्षणिक प्रयोगों के अर्थ लिखिए : 4

आँच न आने देना, आस्तीन का साँप, जी चुराना, नाच न जाने आँगन टेढ़ा ।

(ग) बाज़ार आमन्त्रित करता है कि आओ मुझे लूटो और लूटो । सब भूल जाओ, मुझे देखो । — पंक्ति में निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए । 4

8. (क) द्विभाषी कोश **अथवा** समांतर कोश की विशेषताओं का वर्णन कीजिए । 4

(ख) हिंदी शब्दकोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

कृतार्थ, दुर्भाग्य, स्मरण, वैद्य, प्रतिबंध, उन्मूलन, कालान्तर, मंतव्य ।